भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग

मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय
गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा

विभाग का परिचय/विवरण-गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग की स्थापना में2011 में हुई. वर्तमान में भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग स्नातक हिंदी(ऑनर्स) और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है. इन दोनों ही पाठ्यक्रमों के स्वरुप निर्धारण में इस बात का ध्यान रखा गया है कि साहित्य के मूलभूत आधारों सहित बदलते साहित्यिक एवं सामाजिक बिन्दुओं को भी इसमें शामिल किया जा सके ताकि छात्रों में साहित्य की समावेशी समझदारी का विकास हो सके. चूँकि भाषा एवं साहित्य का विस्तार जीवन के विविध क्षेत्रों तक है लिहाज़ा लोक से होते हुए शास्त्र तक की समझ छात्रों के लिए ज़रूरी हो जाती है. इसके साथ ही अलग अलग समयों में साहित्य के क्षेत्र में उभरते विमर्शों की समझ और उसके आधार पर साहित्य की परख के प्रश्न भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं.

एक ऐसे समय में जबकि राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी सहित तमाम भारतीय भाषाओं का साहित्य रेखांकित किया जा रहा है यह बात महत्त्वपूर्ण हो जाती है कि गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का भारतीय भाषा एवं साहित्य विभाग अपने पाठ्यक्रमों में शामिल अनुवाद: सिद्धांत एवं अनुप्रयोग, प्रवासी साहित्य, सिनेमा और साहित्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार, विचारधारा एवं साहित्य, प्रयोजन मूलक हिंदी सहित अस्मिता विमर्श जैसे तमाम कोर्सेज़ के द्वारा छात्रों में साहित्य की समझदारी के साथ साथ उनमें कौशल संवर्धन का भी प्रयास कर रहा है. स्नातकोत्तर स्तर पर लघु शोध प्रबंध जैसे कोर्सेज़ छात्रों में शोध की आधारभूत समझ का विकास करते हैं. समय समय पर विभाग में विशेष व्याख्यान और एजूकेशनल ट्रिप का आयोजन किया जाता है जिससे छात्र हमारे समय के साहित्यकारों से मुखातिब हो सकें और उनमें तार्किक सोच के साथ साहित्यिक समझ का भी संवर्धन हो सके.

पाठ्यक्रम विवरण-

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	योग्यता/पात्रता की शर्तें	पाठ्यक्रम की अवधि	चयन का तरीका
1.	स्नातक हिंदी(ऑनर्स)	30	किसी भी विषय में 45 प्रतिशत अंकों अथवा समान ग्रेड के साथ (SC/ST के लिए 40 प्रतिशत अंक) 10+2	3 वर्ष	मेरिट के आधार पर सीधा प्रवेश अथवाGBU द्वारा निर्धारित किये गये मानदंड के अनुसार प्रवेश
2.	स्नातकोत्तर	30	किसी भी विषय में 45 प्रतिशत अंकों अथवा समान ग्रेड(SC/ST के लिए40 प्रतिशत अंक) के साथ स्नातक	2 वर्ष	मेरिट के आधार पर सीधा प्रवेश अथवाGBU द्वारा निर्धारित किये गये मानदंड के अनुसार प्रवेश

वर्तमान में हिंदी विभाग में स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं.

विभाग के शिक्षकों का परिचय-

नाम- डॉ. दिवाकर गरवा, पद- सहायक आचार्य

- शिक्षा- एम.ए. 1998, एम. डी. एस विश्वविद्यालय,अजमेर राजस्थान, पीएच. डी.2003, राजस्थान वि.वि. जयपुर राजस्थान, (शोध-प्रबंध का विषय- शेखावटी की लोकगाथाएं: एक विवेचन) नेट- यू. जी. सी. 2005
- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दो वर्ष के लिए जूनियर रीसर्च फेलोशिप(2000 से 2002 तक)
- दूरदर्शन और आकाशवाणी पर भेंटवार्तायें व नाटक प्रसारित
- रंगमंच पर अभिनय व निर्देशन का अनुभव
- पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित
- राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र- वाचन
- विषय-विशेषज्ञता- आदि एवं मध्यकालीन काव्य व लोक-साहित्य

नाम –डॉ. रेनूयादव
जन्मतिथिएवंजन्मस्थान –16 सितम्बर,1984. गोरखपुर
पद –असिस्टेंटप्रोफेसर
संप्रति - भारतीयभाषाएवंसाहित्यविभाग (हिन्दी), गौतमबुद्धविश्वविद्यालय, ग्रेटरनोएडा
ई-मेल – renuyadav0584@gmail.com, renu@gbu.ac.in
ब्लॉग – www.renukamal.blogspot.com

शिक्षा – एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी., यू.जी.सी-नेट
रचनाएँ –

- **'काला सोना'**(कहानी-संग्रह), 2022
- **'महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना का मनोविश्लेषण'**(आलोचनात्मक पुस्तक), 2010, **कथाओं के आलोक में : सुधा ओम ढ़ींगरा** (आलोचनात्मक पुस्तक) 2023.
- **'मैं मुक्त हूँ'** (काव्य-संग्रह), 2013
- **साक्षात्कारों के आईने में – सुधा ओम ढींगरा** (संपादित पुस्तक)**, 2020**
- **स्तम्भ – मासिक पत्रिका साहित्य नंदिनी में 'चर्चा के बहाने' स्तम्भ (कॉलम) प्रकाशित होता है तथा इससे पहले कैनेडा से निकलने वाली पत्रिका हिन्दी चेतना में 'ओरियानी के नीचे' नामक स्तम्भ प्रकाशित होता था।**
- **स्त्री-विमर्श पर केन्द्रित कहानियाँ, कविताएँ एवं शोधात्मक आलेख आदि विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित।**

सम्मान / पुरस्कार –

- ***'सृजन श्री'* सम्मान** सृजन-सम्मान बहुआयामी सांस्कृतिक संस्था एवं प्रमोद वर्मा स्मृति संस्थान**,** रायपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा प्राप्त। फरवरी**,** 2013।
- ***'विरांगना सावित्रीबाई फूले नेशनल फेलोशिप अवार्ड – 2012'*** भारतीय दलित साहित्य अकादमी**,** दिल्ली द्वारा प्राप्त। दिसम्बर**,** 2012।
- ***श्रीलाल शुक्ल इफको साहित्य सम्मान 2024 से सम्मानित.***

नाम- डॉ. विभावरी, पद- असिस्टैंट प्रोफ़ेसर

- शिक्षा- एम. ए., 2002, इलाहाबाद वि.वि.,इलाहाबाद, एम. फिल., 2006(विषय- 'स्त्री विमर्श के विविध आयाम: 'डार से बिछुड़ी' और 'सुन्नर पांडे की पतोह' के विशेष सन्दर्भ में'), जवाहरलाल नेहरू वि.वि., नई दिल्ली, पीएच.डी.2011 (विषय-'हिंदी साहित्य और सिनेमा के मध्य स्त्री दृष्टि का अंतर') जवाहरलाल नेहरु वि.वि. नई दिल्ली, नेट- यू.जी.सी. जून 2005,
- FTII से 41वें फ़िल्म अप्रिशिएशन कोर्स में सहभागिता.
- विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, वेबिनार में शोध-पत्र वाचन एवं बतौर वक्ता शामिल.
- 'नया ज्ञानोदय', 'कथन', 'बयान', 'आजकल' और 'रचना समय' जैसी विभिन्न पत्रिकाओं, 'मोहल्ला लाइव', 'चवन्नी चैप', 'जानकीपुल', 'असुविधा', और 'काफ़ल ट्री' जैसे अनेक ब्लॉग्स और 'BBC हिंदी' व 'जनसत्ता' जैसे वेब पोर्टल में स्त्री और सिनेमा व साहित्य से संबंधितआलेख व शोध-आलेख प्रकाशित.
- 'सिनेमा और भूमंडलीकरण', 'बेदाद-ए-इश्क़, रुदाद-ए-शादी', 'उपन्यास का वर्तमान', 'आज के सवाल श्रृंखला: कृषि संकट', 'इरफ़ान: कुछ पन्ने कोरे रह गए', कितनी गिरहें खोली हैं मैंने जैसी संपादित पुस्तकों के लिए शोध-पत्र लेखन.

	• '...और मैंने चुना काफिर हो जाना' -पिक्चर पोएट्री की ऑनलाइन किताब NotNul से 2022 में प्रकाशित. • 'सिनेमा और स्त्री की सरहद' और 'सिनेमा के बहाने' पुस्तकें प्रकाशित. • स्त्रीकाल के सिनेमा अंक का सम्पादन- अप्रैल 2023. • विषय-विशेषज्ञता- स्त्री-विमर्श, जेंडर, सिनेमा और साहित्य का अन्तःसम्बन्ध. • **सम्मान:** राजेन्द्र यादव हंस लेख सम्मान 2024 से सम्मानित.

अन्य संकायों और विभागों से आने वाले प्राध्यापक:

 डॉ.प्रियंका सिंह सहायक प्राध्यापिका	डॉ.प्रियंका सिंह गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय और न्याय विधि एवं शासन संकाय में हिंदी भाषा और साहित्य की प्राध्यापिका के रूप में 10 से अधिक वर्षों से जुड़ी हुई हैं। आपने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में 'मानवतावादी दृष्टिकोण से संत रविदास के काव्य का अध्ययन' विषय पर पीएचडी, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए (हिंदी) 2010 ,लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से बीए ऑनर्स (हिंदी), 2008 और यूजीसी-नेट की अर्हता जून 2010 में प्राप्त की है। डॉ. प्रियंका सिंह के द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में कई शोध पत्र ,संपादित पुस्तकों में हिंदी साहित्य के विभिन्न विषयों पर कई अध्याय और कविताएँ प्रकाशित हो चुके हैं तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में कई शोध पत्र वाचन किए जा चुके हैं। आप अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका युगशिल्पी (ISSN-0975-4644) की वर्ष 2011 में सह सम्पादक भी रह चुकी हैं। आपको वर्ष 2013 में बैंकाक में विश्व हिंदी मंच द्वारा विश्व हिंदी सेवी सम्मान और वर्ष 2018 में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ द्वारा 'शब्द शिल्पी सम्मान' से सम्मानित किया जा चु है।

Dr Rehana Sultana
(Rehana Sultana Zaidi)

Assistant Professor
Department of Indian Language and Literature (Urdu)

Email ID:
rehana1478@gmail.com
Phone No.
8860438994

PROFESSIONAL QUALIFICATION:

- Ph. D. from Rajasthan University Jaipur, India in 2010
- Title ''Quarrtulain Hayder Kee Shaksiyat''
- M. Phil. From Rajasthan University Jaipur India,2006.
- B. Ed. In Department of Teacher Training and non-formal Education (2006) Jamia Millia Islamia, New Delhi.

EDUCATIONAL QUALIFICATION:

- M.A.-Urdu (2005) Rajasthan University B.A. Hons- Urdu (2005)
- NATIONAL FELLOWSHIP
- Qualified NET (National Eligibility Test) conducted by UGC in December 2006.

AWARDS:

Urdu Academy Award from Utter Pradesh Urdu Academy for the book of Qurrattul-ain-Hyder ke Afsaney Edited in 2013
ISBN No. 978-93-5073-218-2

EDITED BOOK:

1. Qurrattul-ain-Hyder ke Afsaney Edited in 2013
   ISBN No. 978-93-5073-218-2
2. Qurrattul-ain-Hyder ke Afsaney 2nd Edition in 2022
   ISBN No. 978-81-8042-414-4

Research Area:

Research and Criticism in Urdu literature
Feminism in Hindi and Urdu

विभागीय गतिविधियाँ व उपलब्धि-

विभागीय गतिविधियाँ-

अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सेमिनार, वेबिनार और संगोष्ठी-

- 'हाशिये का लेखन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी- 23-24 मार्च 2012
- 'साझा सांस्कृतिक विरासत' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-29-30 मार्च 2019
- मुशायरा- 29 मार्च 2019
- 'हिंदी दिवस की ज़रूरत' विषय पर विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित विभागीय संगोष्ठी- 13 जनवरी2020
- 'साहित्य, सिनेमा और सामाजिक यथार्थ' विषय पर वेबिनार का आयोजन- 20 जुलाई 2020
- साहित्य-महोत्सव- 20 दिसंबर2022

- इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी तथा समय-समय पर एजूकेशनल ट्रिप का आयोजन किया जाता है.

विभाग के छात्रों का प्लेसमेंट-

फेलोशिप-

कैम्पस प्लेसमेंट के तहत2019 में एम. ए. 2017-19 बैचके दो छात्र शिवानी सिंह व गौरव, पीरामल फाउंडेशन की **गांधी फेलोशिप** के लिए चयनित.

विभिन्न संगठनों से जुड़े छात्र:

- रूपेश (एम. ए. 2015-17 बैच), PGT (हिंदी), सेंट हुड कॉन्वेंट स्कूल दादरी, ग्रेटर नोयडा
- चंचल शर्मा (एम. ए. 2015-17 बैच) टीचर, आर्य विद्या मंदिर, दादरी, (उ.प्र).
- अभिषेक पाण्डेय (एम. ए. 2015-17 बैच)- सीनियर सेल्स मैनेजर, काबिल किड्स, सेक्टर 142, नोयडा एक्सप्रेसवे, नोयडा
- गौरव (एम. ए. 2017-19 बैच) क्रिएटिव राइटर, प्रचार भारत प्राइवेट लिमिटेड, स्वरुप नगर दिल्ली
- शिवानी सिंह (एम. ए. 2017-19 बैच) फेलो, जन सुराज, अब्दुल है कॉम्प्लेक्स, पटना, बिहार

विभाग की आगामी योजना-

विभाग भविष्य में हिंदी व उर्दू के अतिरिक्त अन्य भारतीय भाषाओं के केंद्र स्थापित कर उनमें पठन-पाठन की संभावनाओं पर कार्य कर रहा है. इसके अतिरिक्त यह भविष्य में पीएच. डी. पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना पर भी कार्य कर रहा है. इसके अतिरिक्त विदेशी छात्रों को हिंदी शिक्षण जैसे पाठ्यक्रमों को शुरू करने की योजना पर कार्य कर रहा है. प्रत्येक वर्ष जैसे हिंदी दिवस तथा नामचीन लेखकों की जयंती पर एकल व्याख्यान तथा सेमीनार जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाने की भी योजना है.